

GREEN MORNING



MISSION : SAVE THE MOTHER EARTH

पाँवर प्लांट | न्यूटवेट्स | हर्बन्यूट्स | होमडेट्स प्रोडक्ट्स | हर्बकोस

Bhoomi Power

Bhoomi Power – Organic Strength for Thriving Soil & Plants Bhoomi Power is a chemical-free, granular organic formulation enriched with Humic acid, vitamins, amino acids, seaweed, and essential micronutrients. It enhances soil fertility, improves microbial activity, and supports faster plant growth with long-lasting results.

Key Benefits:

- Boosts white root development
- Enhances nutrient absorption & soil nitrogen uptake.
- Reduces reliance on chemical fertilizers .
- Improves resistance to biotic & abiotic stress.
- Activates beneficial soil microbes .
- Helps maintain soil pH and structure.
- Promotes continuous crop.
- nourishment throughout the cycle.

Humic Acid: Breaks down chemical residues, improves water penetration, and boosts plant vitality naturally.

Dosage: 4 kg per acre



MISSION :SAVE THE MOTHER EARTH



PRESENTAZIONE

TABLE OF CONTENTS

- AGRICULTURE PRODUCTS
- TESTIMONIALS
- RUBY EXECUTIVE
- CORAL EXECUTIVE
- GREEN PLANET FOUNDATION TRUST
- STRESS OUT (ARTICLE)
- VET CARE
- SAPPHIRE EXECUTIVE
- CANOPY DAY



ALL PRODUCTS AGRICULTURE

Balance Nutrition for Plant Growth

Organic protection for your crops



MISSION :SAVE THE MOTHER EARTH



फसल को तनाव से बचाए Green Planet PPSO के साथ!

खेती के लिए उर्वरक बहुत जरूरी होते हैं। यह फसल को अच्छा बढ़ने और अधिक उत्पादन देने में मदद करते हैं। लेकिन आजकल सही समय, मात्रा और प्रकार का उर्वरक चुनना किसान भाइयों के लिए मुश्किल हो गया है। अगर गलती से गलत उर्वरक का समय पर प्रयोग नहीं किया गया, तो फसल को नुकसान हो सकता है, जिससे किसानों को तनाव होता है।

पौधों में तनाव क्यों आता है?

जब मौसम खराब होता है, जैसे बहुत ज्यादा गर्मी, ठंड, सूखा, बाढ़, पोषक तत्वों की कमी, बीमारी या कीट लग जाते हैं, तो पौधों में तनाव आ जाता है। यह तनाव दो प्रकार के होते हैं:

1. **जैविक तनाव:** कीटों या बीमारियों के कारण।
2. **अजैविक तनाव:** जैसे पानी की कमी या ज्यादा पानी, तापमान में बदलाव, मिट्टी में कीटनाशक, आदि।

इस समस्या का हल—ग्रीन प्लैनेट का "पावर प्लांट स्ट्रेस आउट (PPSO)"

ग्रीन प्लैनेट कंपनी ने यूरोप की तकनीक पर आधारित एक नया उत्पाद PPSO तैयार किया है, जो पौधों को तनाव से बचाता है।

PPSO कैसे काम करता है?

- यह एक स्प्रे के रूप में पौधों की पत्तियों पर डाला जाता है।
- PPSO पत्तियों के ऊपर एक सिलिका (रेत जैसी पतली परत) की सुरक्षा परत बना देता है।
- यह परत पानी की कमी को रोकती है, जिससे पौधा सूखने से बचता है।
- यह पौधों को गर्मी, ठंड, कीट और बीमारियों से भी बचाता है।
- पौधे मिट्टी से पोषक तत्वों को अच्छे से खींच पाते हैं और अच्छी तरह बढ़ते हैं।

इसका मुख्य घटक क्या है?

PPSO में "मोनो सिलिकिक एसिड" होता है जो पौधों के लिए उपयोगी सिलिकॉन का रूप है। यह पौधों की पत्तियों और जड़ों से आसानी से अंदर चला जाता है।

इससे क्या फायदे होते हैं?

- पत्तियां और तने मजबूत बनते हैं।
- पौधे के चारों ओर सुरक्षा परत बनती है जो उसे बचाती है।
- पौधे भारी फल या फूल को सहने लायक बनते हैं।
- मिट्टी से पोषक तत्व लेने की शक्ति बढ़ती है।
- कीट और बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है।
- फल और सब्जियाँ ताजगी बनाए रखते हैं, जिससे उनकी बिक्री और कीमत बढ़ती है।

खुराक कैसे दें? 2-3 मिली लीटर PPSO को 1 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।





काकासाहेब जाधव

मेरा नाम काकासाहेब जाधव है। मैं ज़िला धाराशीव (उस्मानाबाद) महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ। मैंने 3 साल से धनीया, चना, गेंहु और गन्ना इन फसलों को ग्रीन प्लैनेट के ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स भूमि पाँवर, प्रोम, एस.टी, गो, नायट्रोजेन, ब्लूम और स्प्रेड ऑल-90 का इस्तेमाल कर रहा हूँ। इससे मेरी फसल सर्वोत्तम हो गई है और जमीन बेहद मुलायम हो गई है साथ ही साथ खेत पर केंचुए भी आ गए हैं। किसान दूर- दूर से भी हमारी फसल देखने आते हैं। मेरा सभी किसान साथियों से सविनय निवेदन है कि अपनी खेती में पाँवर प्लांट उत्पादों का प्रयोग करके जमीन व फसल में गुणात्मक सुधार को अपनी

विश्वसनीय आँखों से अनुभव करें। ग्रीन प्लैनेट के जैविक उत्पादों का इस्तेमाल करके बहुत खुश हूँ। मैं यही कहता हूँ कि ग्रीन प्लैनेट के कार्बनिक उत्पादों का इस्तेमाल देश के हर किसान को करना चाहिए। धन्यवाद



प्रभु सावंत

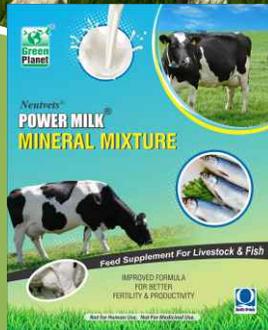
मेरा नाम प्रभु सावंत है। मैं लातूर का रहने वाला हूँ। मुझे बहुत दिनों से कंधे में दर्द था जोड़ों का दर्द था। और हमेशा थकान महसूस होती थी। मैं बहुत हॉस्पिटल गया, दवाइयां खाई पर राहत नहीं मिल रही थी। फिर मेरे मित्र ने मुझे ग्रीन प्लैनेट के अर्थोसोल सोल, अर्थोसोल आयल, नोनी जूस और तुल्सी ड्रॉप्स दिया इससे मुझे दिनों में राहत मिली मैंने एक महीना यही

प्रोडक्ट्स लिये और मैं सभी लोगों से निवेदन करता हूँ प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करके अपनी सेहत बढ़िया बनाये और बिमारियों से निजात पाईये। धन्यवाद



ALL PRODUCTS VETCARE

SOLUTION FOR YOUR CATTLE NEEDS



MISSION :SAVE THE MOTHER EARTH

REQUALIFY



प्रमोद गायलवाड

मेरा नाम प्रमोद गायलवाड है | मैं गाँव जवला ज़िला बुलडाणा महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ | मैंने अपनी जिंदगी में बहुत संघर्ष किया है | मैंने बहुत मेहनत करके DTED तक शिक्षा प्राप्त की | फिर मैंने पुणे शहर जाकर 9000/- प्रति महीने में काम किया | लेकिन मैं इस नौकरी से संतुष्ट नहीं था क्योंकि मैं आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करना चाहता था इसलिए मैंने निवासी गुरुकुल की शुरुआत की 2008 से 2010 तक परन्तु मैं जितना पैसा कमाना चाहता था उतना नहीं कमा पाता था | मैं सोचने लगा कि मैं क्या करूँ ? जिससे मेरे और परिवार के सपने पूरे हो सकें | एक दिन मेरे मित्र ने ग्रीन प्लैनेट के बारे में बताया | जिनका मुख्य उद्देश्य मिशन "धरती माँ को बचाओ" है | लेकिन मेरे लिए यह सब कुछ नया था | मैंने ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स का उपयोग

किया | मुझे बहुत अच्छे परिणाम मिले | ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स किसानों के बहुत लाभदायक है | यह काम देश की भलाई का काम है मुझे यह एक अच्छा मिशन लगा जिससे लोगों को लाभ मिलेगा और खुद को भी लाभ मिलेगा | फिर मैंने 31 मार्च 2016 में इस मिशन की शुरुआत की और पूरा समय ग्रीन प्लैनेट के मिशन के साथ जुड़ गया | तब से लेकर आज तक मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा मैंने अभी तक ग्रीन प्लैनेट के मिशन से बहुत ACHIVEMENT किया है इससे मेरे सारे सपने पूरे हो चुके हैं | घुमने के लिए गाड़ी ली है मेरा हवाई यात्रा करने का सपना भी पूरा होगा क्योंकि मैंने सिंगापुर, थाईलैंड की भी ACHIVEMENT की हुई है | ग्रीन प्लैनेट में मेरी coral, Ruby Level ब्रेक किया | अब मैंने फिर से अगस्त-2023 में रूबी लेवल ब्रेक किया | मैंने फिर से जून-2025 में रूबी लेवल ब्रेक किया | अब मैं 12 लाख रुपये सालाना कमाता हूँ | मेरी टीम का बहुत बड़ा साथ रहा जिन्होंने मेरा साथ दिया | मैं दिल से सभी का धन्यवाद करता हूँ | जय ग्रीन प्लैनेट !

मेरा नाम बालाजी सुरवसे है | मैं कदेर गाँव तालुका उमरगा जिला उस्मानाबाद , महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ | मैं एक किसान का बेटा हूँ | मैंने +2 तक पढ़ाई पास की है | मेरा बड़ा भाई खेती करता है | मैंने भी पढ़ाई के बाद खेती करनी शुरू कर दी | मेरे घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण मैं लोगों के खेतों में भी काम करने जाता था | खेती के साथ-साथ मैं पशु भी चराता था | परन्तु फिर भी घर का खर्च पूरा नहीं हो पाता था | फिर मुझे मेरे मित्र ने ग्रीन प्लैनेट के मिशन "धरती माँ को बचाओ"



बालाजी सुरवसे

के बारे में बताया | मैंने ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स को अपने खेतों में प्रयोग किया | मुझे बहुत ही अच्छे रिजल्ट आने के कारण 2016 में ग्रीन प्लैनेट मिशन "धरती माँ को बचाओ" के साथ जुड़ा | फिर मुझे इन्कम भी अच्छी आने लगी | मेरे घर की आर्थिक स्थिति भी ठीक होने लगी | देखते ही देखते मेरा काम और बढ़ने लगा और टीम के साथ काम करने लगा | मेरी टीम और ग्रीन प्लैनेट के साथ के होने के कारण फिर से मैंने अगस्त-2023 में रूबी लेवल ब्रेक किया | मैंने फिर से जून-2025 में रूबी लेवल ब्रेक किया | मेरे सभी सपने पूरे हुए मैं बहुत खुश हूँ ग्रीन प्लैनेट के मिशन के साथ जुड़ कर | मैं सबका धन्यवाद करता हूँ मेरी पूरी टीम का जिन्होंने मुझे साथ दिया | धन्यवाद |

REQUALIFY



सुनील सिंह कुशवाहा,

मैं, सुनील सिंह कुशवाहा, उत्तर प्रदेश के गाज़ीपुर जिले का रहने वाला हूँ, जहाँ मेरा जन्म एक सामान्य किसान परिवार में हुआ। बचपन से ही खेती हमारे जीवन का केंद्र रही है। पहले हमारे खेतों में हरियाली थी, फसलें लहलहाती थीं, और परिवार की ज़रूरतें आसानी से पूरी हो जाती थीं। लेकिन समय के साथ जैसे-जैसे रासायनिक खादों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग बढ़ता गया, हमारी उपजाऊ मिट्टी धीरे-धीरे कमजोर और बेजान होती गई। इसका सीधा असर खेतों की पैदावार पर पड़ा और आर्थिक संकट दिन-ब-दिन गहराता गया। इसी दौरान मेरे मौसाजी की तबीयत भी गंभीर रूप से खराब हो गई, जिससे परिवार मानसिक, शारीरिक और आर्थिक तनाव से गुजरने लगा। एक समय ऐसा भी आया जब लगा जैसे जीवन की दिशा ही खत्म हो चुकी है। लेकिन कहते हैं कि जब अंधेरा सबसे घना होता है, तभी उम्मीद की एक किरण रोशनी बनकर उभरती है। ऐसे ही एक दिन मेरे एक मित्र ने मुझे Green Planet Bio Products के बारे में बताया और यही मेरी ज़िंदगी का सबसे बड़ा मोड़

साबित हुआ। उनके जैविक उत्पादों, प्राकृतिक दृष्टिकोण और ज़मीन को ज़हरे-मुक्त करने की सोच ने मुझे भीतर तक झकझोर दिया। मुझे शुरुआत में मार्गदर्शन की आवश्यकता थी, जो मुझे Green Planet की टीम और उनके अनुभवों से मिला। उन्होंने मुझे न केवल जैविक खेती के वैज्ञानिक तरीकों से अवगत कराया, बल्कि यह भरोसा भी दिलाया कि हमारी मिट्टी फिर से जीवित हो सकती है। मैंने सीखना शुरू किया, खेतों में प्रयोग किए, और जल्द ही खुद अपने खेतों में बदलाव महसूस किया। जहाँ पहले बंजरपन था, वहाँ अब हरियाली लौट आई। फसलें न सिर्फ अधिक मात्रा में हुईं, बल्कि उनकी गुणवत्ता, स्वाद और पोषण स्तर भी बेहतर हो गया। Green Planet के उत्पादों ने न केवल मेरे खेतों को नई जान दी, बल्कि मुझे आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान किया। आज मैं सिर्फ एक किसान नहीं, बल्कि एक जैविक खेती प्रशिक्षक, सामाजिक उद्यमी और प्रेरणा स्रोत बन चुका हूँ। मुझे गर्व है कि मेरी पहचान अब एक ऐसे व्यक्ति के रूप में है जिसने खुद बदलाव को अपनाया और अब दूसरों को भी उस दिशा में प्रेरित कर रहा है। देशभर से किसान मेरे पास सलाह लेने आते हैं, और मैं उन्हें वही विश्वास और प्रेरणा देता हूँ जो मुझे कभी मिली थी। मेरा उद्देश्य है कि अधिक से अधिक किसान रसायन-मुक्त खेती की ओर अग्रसर हों, ताकि हम मिलकर एक स्वस्थ, समृद्ध और टिकाऊ भारत की नींव रख सकें। मुझे गर्व है कि मैंने अपनी मिट्टी को ज़हर नहीं, ज़िंदगी दी है मेरी टीम और ग्रीन प्लैनेट के साथ के होने के कारण से मैंने July-2025 में रूबी लेवल ब्रेक किया। और अब मैं चाहता हूँ कि हर किसान अपनी ज़मीन को फिर से जीवित होते देखे।

मेरा नाम मंहातेश हणमंतराव शेलके है। मैं जिला उस्मानाबाद महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ। मैंने दसवीं तक शिक्षा प्राप्त की है। फिर मैं काम की तलाश में पुणे गया। मैंने वहाँ जाकर लगभग आठ साल काम किया। मेरी शिक्षा कम होने के कारण मुझे ज्यादा बढ़िया नौकरी नहीं मिलती थी। मुझे वेतन भी कम मिलता था जिससे मेरा गुजारा भी ठीक से नहीं हो पाता था तो मैं 2013 में गाँव वापिस आ गया और मैं पेट्रोल पंप पर काम करने लगा। वहाँ पर मुझे एक महीने में 3000/- वेतन मिलता था तो मेरा घर का खर्चा चलना मुश्किल हो गया। फिर मैं 2016 अपने भाई के साथ मिल कर खेती करने लगा। मुझे ग्रीन प्लैनेट के मिशन "धरती माँ को बचाओ" के बारे में जानकारी मिली। ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक उत्पाद का इस्तेमाल मैंने अपने खेतों पर किया। मुझे बहुत ही अच्छे परिणाम मिले और मेरा विश्वास बढ़ गया। मैंने किसान भाइयों को भी ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक उत्पाद का इस्तेमाल करवाया और गाँव-गाँव ग्रीन प्लैनेट के मिशन को पहुँचाना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे मेरा कार्य ओर बढ़ने लगा और मैं टीम के साथ काम करने लगा। मैंने लैपटॉप और प्रोजेक्टर लिया ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों तक ग्रीन प्लैनेट के मिशन को पहुँचाया जा सके। फिर मैंने 2019 में ग्रीन प्लैनेट की Annual Meet को Attend किया। मेरा उत्साह बढ़ गया और मैंने कोरल लेवल ब्रेक किया। उसके बाद मैंने 2020 Ruby Level ब्रेक किया। मैं अपनी पूरी टीम का और किसान भाइयों का धन्यवाद करता हूँ जिनकी सहायता से मैं यहाँ तक पहुँच सका। अब मैंने फिर से 2022 और अगस्त-2023 Ruby Level Requalify किया। मेरी टीम और ग्रीन प्लैनेट के साथ के होने के कारण से अब मैंने फिर से July-2025 में रूबी लेवल ब्रेक किया। आज मेरे पास ग्रीन प्लैनेट के माध्यम से सब कुछ है। मेरे सारे सपने पूरे हुए। धन्यवाद।



मंहातेश हणमंतराव शेलके

REQUALIFY

Congratulations



SAPPHIRE

JUNE-2025

REQUALIFY



ANKIT VISHWASRAO DESHMUKH
SAPPHIRE



CORAL

JUNE-2025



VITTHAL NILKANT MUGALE
REQUALIFY



MALLIKARJUN C KALLA
REQUALIFY



SANTOSH G BIRADAR
REQUALIFY



GREEN PLANET CANOPY DAY

03-JUNE-2025



MISSION :SAVE THE MOTHER EARTH



GREEN PLANET

FOUNDATION TRUST

YOU CAN HELP THE SOCIETY

The best way to not feel hopeless is to get up and do something.
Don't wait for good things to happen to you. If you go out and make some good things happen,
you will fill the world with hope, you will fill yourself with hope.



MISSION :SAVE THE MOTHER EARTH



GREEN PLANET BIO PRODUCTS

G.P. Tower, I-Amar Garden, Near Pathankot Chowk Bye-Pass, NH-I, Jalandhar-144004.

An ISO 9001:2015 Certified Co.

Ph. : +91-181-5299000, Toll Free 1800 137 4699

www.greenplanetindia.com